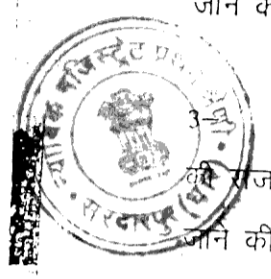


निर्णय :-

(आज दिनांक 03/08/2023 को घोषित किया गया)

1- अभियुक्त/गण की स्वीकारोक्ति के आधार पर अभियुक्त/गण मडिया खोरय धारा 34 (1) आवकारी अधिनियम के अंतर्गत दण्डनीय अपराध के लिए सिद्धदोष पाते हुए दोषसिद्ध किया जा है।

2- अपराध की प्रकृति एवं परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए अभियुक्त/गण को परिवीक्षा का लाभ दि जाने की अपेक्षा एक शिक्षाप्रद दण्ड दिया जाना न्यायोचित प्रतीत होता है।



3- अतः अभियुक्त/गण को धारा 34 (1) आवकारी अधिनियम के अपराध के लिए न्यायालय उठने त के राजा एवं रुपये 500/- के अर्थदण्ड से दंडित किया जाता है। अर्थदण्ड अदा न कि जाने की दशा में अभियुक्त/गण को 15 दिवस का कारावास भुगताया जावे।

4- प्रकरण में जप्तशुदा बच्ची शराब अर्धशराब कुल 10 लीटर कीमती 650/- रुपये मूल्यहीन होने से अपील अवधि पश्चात नष्ट की जावे। अपील होने की दशा में अपीलीय न्यायालय के आदेश का पालन किया जावे।

निर्णय खुले न्यायालय में दिनांकित व हस्ताक्षरित कर घोषित किया गया।

मेरे उद्बोधन पर टंकित

(भूपेन्द्र यादव)
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
सरदारपुर प्रथम श्रेणी
सरदारपुर, जिला धार (म.प्र.)

(भूपेन्द्र यादव)
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
सरदारपुर प्रथम श्रेणी
सरदारपुर, जिला धार (म.प्र.)

